

श्याम जिमावे जाटणी

नरम नरम लायी घाल गरम कान्हा माखन रोट मैं
श्याम जिमावै जाटनी घूंघट की ओट म्ह

सांवरिया करूं ओट तन मन तेरा जादू चढ़ रहया सै
घणां करूं दीदार मेरा दीवानापन बढ़ रहया सै
दिल होजा सै घाल मेरा नजरां की चोट म्ह
श्याम जिमावै जाटनी घूंघट की ओट म्ह

डर लग गया मने सांवरे कदे मीरा ना हो जाऊं मैं
छोड़ चौधरी बालका नै तेरे महुँ खो जाऊं मैं
मोहनी मोहनी सूरत तेरी कर दे खोट महुँ
श्याम जी मावे जाटनी घूंघट की ओट महं

इस ढाला का रिश्ता राखू ना कच्चा ना पक्का हो
निभजा आखिरी सांस तलक जो ना रोला ना रुकका हो
सागर धरै नित् न ध्यान तेरा तुम रहियो सपोर्ट महं
श्याम जिमावै जाटनी घूंघट की ओट म्ह

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19530/title/shyam-jimawe-jatani>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |